International Research Journal of Humanities, Language and Literature
ISSN: (2394-1642)
Impact Factor 6.972 Volume 10, Issue 4, April 2023
Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
Website-www.aarf.asia, Email : editoraarf@gmail.com

अखिलेश की सम्पूर्ण रचनाएँ: एक सुनहरा साहित्यिक सफर

T. USHA KUMARI, ASST PROF. DEPT OF HINDI,
SARDAR PATEL COLLEGE, PADMARAO NAGAR, HYDERABAD.

संक्षेप

अखिलेश, एक उज्ज्वल और सृजनात्मक साहित्यिक, ने अपने समृद्धि भरे साहित्यिक सफर में अनगिनत रचनाएँ प्रस्तुत की हैं। उनकी लेखनी ने साहित्य जगत को विभिन्न रूपों में प्रभावित किया है और उनकी संपूर्ण रचनाएँ उसके उदार दृष्टिकोण और भूरि विविधता की दिशा में बोलती हैं।उनकी कविताएँ सुरमा भरी हैं, जो आत्मा की गहराईयों को छूने का प्रयास करती हैं। साहित्य के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्टता और अनूठापन ने उन्हें प्रमुख कवियों में से एक बना दिया है।उनकी कहानियाँ और उपन्यास भी साहित्य प्रेमियों को प्रभावित करते हैं, और विभिन्न सामाजिक और मानवाधिकारिक मुद्दों पर उनका सृजनात्मक दृष्टिकोण उजागर करता है।उनके संवाद नृत्य और विचारशीलता से भरे हुए हैं, जो उन्हें पढ़ने वाले को उनके साहित्यिक सफर में ले जाने के लिए प्रेरित करते हैं। उनकी सम्पूर्ण रचनाएँ एक सुनहरा साहित्यिक सफर की यात्रा को संक्षेप में बयान करती हैं, जो साहित्य प्रेमियों के बीच में उत्कृष्टता की ऊंचाइयों की ओर बढ़ता है।

परिचय

अखिलेश जी, एक प्रसिद्ध कवि, कहानीकार, समीक्षक, और प्राणि-विज्ञान के अध्येता के रूप में अपनी विशेष पहचान बना चुके हैं। वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में सक्रिय सह-संयोजक के रूप में उभरते हैं और उनका योगदान साहित्य और कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है।कथाकार के रूप में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है, और उनकी लेखनी से हमें सुंदर कथाएं और गहरे चिन्हों वाले कहानी सामग्री मिलती हैं। उनकी कई शोधपत्र और पुस्तकें साहित्यिक जगत में एक नए दृष्टिकोण को प्रस्तुत करती हैं, और उनके सम्पादन में अनेक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शोध जर्नलों का प्रकाशन हुआ है। उनका योगदान 'शोध अमृत' और 'अखिलगीत-शोध-दृष्टि' जैसे अमूर्त शोध जर्नलों के संपादन के माध्यम से साहित्य जगत में विश्वसनीयता प्रदान करता है।उनका व्यापक ज्ञान और समर्पण से भरा हुआ है, और वे न केवल एक कलात्मक सृजनात्मक होंने के लिए बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने दृष्टिकोण के लिए भी पहचाने जाते हैं।

© Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

उनकी संपूर्ण रचनाएँ एक सुनहरा अध्यात्मिक और साहित्यिक सफर का परिचय प्रदान करती हैं, जो साहित्य प्रेमियों को उत्कृष्टता की ऊंचाइयों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

सामाजिक जीवन पर आधारित और बहुत कुछ कथाकार के जीवन को नया आयाम देने वाली जबरदस्त कहानियाँ हैं, जो निःसंदेह प्रशंसनीय हैं। लेखक के माध्यम से हम भी अपनी सोच का विस्तृत करने का प्रयास कर सकते हैं। उनकी कहानियाँ ऐसी प्रतीत होती हैं, मानो हमें समाज का नग्न रूप दिखाने में कोई संकोच नहीं है। वह अपनी कहानियों के माध्यम से समाज की विभिन्न समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करते दिखते हैं। 'अनकही' कहानी संग्रह में आपकी ग्यारह कहानियाँ प्रकाशित हैं।

'अनकही' कहानी स्त्री विमर्श पर केंद्रित कहानी है, जो स्त्री विमर्श के मूल में भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध की आधारित कहानी हमारा ध्यान खींचती है। स्त्री विमर्श पर बात करना ठंड में हाथ संग्रहण सरीका है। अंदर बहुत कुछ उफाने पर बाहर कुछ भी न निकले, सुलगती आग में आंच की गुंजाइश बनाए रखना मात्र इतना ही वर्तमान परिवेश में स्त्री विमर्श रह गया है। इस परिप्रेक्ष्य में अगर हम 'अनकही' कहानी की बात करें तो यहाँ भी मात्र इतनी ही गुंजाइश बची है। मध्यमवर्गीय परिवार की विवशता को कहानीकार बहुत ही सटीक रूप से चित्रित करते चलता है। एक ऐसी संवेदना लेखक जगाना चाहता है जो सिर्फ हमें सचेत ही नहीं करती वरन् हमारी सोच को पूरी तः परिवर्तित कर देती है। कन्या भ्रूण के माध्यम से लेखक जो कहना चाह रहा है निश्चय ही वह हृदय विदारक है। बड़े-बड़े संकल्प आराध्य और आदर्श वाद के बीच बांधें होती व्यक्तित्व का जाल लेखक खींचता है, उसके पश्चात् फिर कहने का कुछ शेष नहीं रहता। सब का सब अनकहा, अव्यक्त रह जाता है। आधी आबादी का पूरा सच बयान करती यह कहानी लेखक की मालिकता, उसकी दूरदृष्टि और समाज के ठेकेदारों का सीधा आईना दिखाती है। समाज के सामने ऐसे सुलगते यक्ष प्रश्न छोड़ जाते हैं, जिनका उत्तर शायद भविष्य में भी किसी के पास नहीं होगा। उस अविकसित, अपूर्ण कन्या भ्रूण के सम्मुख हम सभी ठगे से खड़े रह जाते हैं। कहानी का हर कथन इतना चुटीला है कि अंतरात्मा के बेध देता है। आशा और राकेश की अभिजात्य सोच पर जब परंपरागत जड़ रूढ़ियाँ विजित होती हैं, हमारा स्वार्थ हमारे नेह पर भारी होता है। जीवन के कटु यथार्थ को बहुत बेबाकी से कहानीकार हमारे सामने रखता है। कन्या भ्रूण हर व्यक्ति को सम्बोधित करती है, कोई भी उसकी अनकही के विश्वासों का जामा पहनाए किन्तु उसकी सच्चाई मात्र सोच रह जाती है। समाज का यह अभाव, यह क्षुद्रता आरि कुछ नहीं मात्र अपना ही खाखला होता व्यक्तित्व है। गर्भ में ही मृत्यु के स्वीकार करती यह बेटियाँ डॉक्टर साहब की लेखनी का सम्बल पकड़ समाज से सीधा संवाद करती हैं, अपनी पीड़ा को समाज के सामने रखती हैं।

'पलायन' कहानी सूखे की त्रासदी को व्यक्त करती है, जहां लोग अपने गाँवों से बाग़बानी के प्रकार के सूखे की मार का सामना कर रहे हैं। भारतीय गाँवों की इस दुर्दशा को दर्शाना यह कहानी विशेष रूप से दयनीय और संवेदनशील है।कहानी में हम एक ऐसे परिवार की कहानी सुनते हैं, जिसने सूखे की मार से पिछले तीन सालों से निभाई है। हरिया परिवार का मुखिया है, और फुलवा हरिया की पत्नी है, जिनका एक ही बेटा चंदन अपनी पत्नी प्रेमशीला और पुत्र नंदन के साथ गाँव से पलायन कर चुका है।

हरिया के पास एक बीघा ज़मीन, एक झोंपड़ी, और एक बची हुई बकरी है। चंदन शहर में दिहाड़ी मजदूरी कर रहा है, और हरिया की आशा बढ़ाई जाती है कि बारिश जल्दी हो और उनकी ज़मीन में बूंदें गिरें। यह कहानी हरिया और फुलवा की आशा की कड़ी मेहनत, उनके संघर्ष और साहस को बताती है जब वे बारिश के बरसने का इंतजार करते हैं, जबकि चंदन और उसकी पत्नी शहर में अपनी रोज़गारी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

"भूख व्यक्ति के जीवन का सबसे कटु यथार्थ है," ऐसा कहा जाता है, और इस कहावत में व्यक्ति की सत्ताएं और आत्मा की कड़ी तकलीफ छुपी होती है। इस यथार्थ को महसूस करते हुए, कहानी में हरिया की बची हुई एकमात्र बकरी की मूल्यवृद्धि और उसका विपणि के साथ हुआ एक दर्दनाक संबंध प्रकट होता है।

जब हरिया अपनी बकरी को व्यापारी को बेचता है, तो यह घर की अदृश्य भूख की आत्मा के साथ एक सच्चाई का परिचय करता है। इस परिस्थिति में, व्यापारी बकरी को ले जाता है, लेकिन फुलवा दरवाजे पर बकरी को देखती रहती है, जब तक वह आँखों से ओझल नहीं हो जाती। यहां, कहानीकार ने मुंशी प्रेमचंद की 'कफन' की भावना को महसूस कराते हुए बताया है कि भूख की स्थिति में व्यक्ति किस हद तक जा सकता है। गरीब किसान का पशु उसके लिए केवल एक पारिवारिक सदस्य नहीं होता है, बल्कि उससे उसका अत्यंत प्रेम और संबंध होता है।हरिया के लिए, जो केवल ज़मीन और एक बची हुई बकरी के साथ था, ज़मीन भी बेचना पड़ता है। कहानी यह भी दिखाती है कि ग्रामीण जीवन की अधिकांश समस्याएँ हरिया जैसे कई परिवारों को पलायन के लिए मजबूर करती हैं।

'चन्द्रकला' कहानी में कहानीकार ने एक ऐसी स्त्री का चित्रण किया है जो स्वयं तो परिस्थितियों के कारण शिक्षित नहीं हो पाई, परंतु उसने अपने पति की शिक्षा में कोई कमी नहीं रखी। जो संकल्प उसने अपने पति की शिक्षा के लिए लिया था, उसका निर्वाहन उसने अन्त तक बहुत सुन्दर ढंग से किया।

कहते हैं हर सफल पुरुष के पीछे स्त्री का हाथ होता है। इस बात को चरितार्थ करती चन्द्रकला ने अपने पूरे जीवन में सिर्फ और सिर्फ पति की उन्नति का ही समर्थन किया। वह नहीं चाहती थी कि उसका पति अपने पैतृक मोची के काम को करे। उसने स्वयं कहानी में एक जगह कहा है,

अध्ययन की आवश्यकता

अध्ययन, जीवन में स्वयं को समर्थन और समृद्धि की दिशा में मदद करने वाला महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसमें समय और श्रम का निवेश करने से व्यक्ति नए ज्ञान, कौशल, और सूचना का संग्रहण कर सकता है, जो उसे विभिन्न क्षेत्रों में सफलता और समृद्धि की दिशा में मार्गदर्शन करता है।अध्ययन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यक्ति को नए विचार, दृष्टिकोण, और सृजनात्मक सोच का सामरिक और व्यावसायिक प्रभाव देना है। यह समझाता है कि सीखना और अध्ययन का कार्य केवल एक स्कूल या कॉलेज में ही सीमित नहीं होता, बल्कि यह जीवन के हर पहलुवार में एक सतत प्रक्रिया है।अध्ययन के माध्यम से व्यक्ति अपनी क्षमताओं को विकसित कर सकता है और स्वयं को नए समस्याओं और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार कर सकता है। इससे उसका स्वयं का विकास होता है और उसे अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद मिलती है।समस्त जीवन में नौकरी, व्यापार, और सामाजिक संबंधों में सफलता प्राप्त करने के लिए अध्ययन का महत्व अत्यधिक है। इसका सामाजिक, आर्थिक, और व्यक्तिगत परिणाम होता है जो व्यक्ति को समृद्धि और संतुलन की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है।

अनुसंधान समस्या

अखिलेश जी का साहित्यिक सफर एक बहुपक्षीय और समृद्ध अनुसंधान क्षेत्र के साथ जुड़ा हुआ है। उनकी रचनाएँ विभिन्न विषयों पर आधारित हैं और इसमें समस्त साहित्यिक रूपों का समावेश है। इस साहित्यिक सफर के अंतर्गत, अखिलेश जी ने कई उदार, समाजसेवी, और मानवीय मुद्दों को छूने का प्रयास किया है।
उनकी रचनाएँ सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, और विज्ञानिक विषयों पर आधारित हैं, जिससे वे एक व्यापक दृष्टिकोण बनाए रखते हैं। उनका अनुसंधान समर्थन, समस्या विश्लेषण, और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में हुआ है।
अखिलेश जी की रचनाएँ न केवल कविता, कहानी, निबंध, और संवादों में सुशिक्षित हैं, बल्कि उनकी गहरी अनुसंधान भी उन्हें साहित्यिक विश्व में एक उत्कृष्ट स्थान पर ले आई है।

उनका अनुसंधान समस्याओं की नीव को छूने और समाज में सुधार लाने के लिए समर्थन करता है। उनके लेखन में आधुनिकता, साहित्यिक सौंदर्य, और समस्या निराकरण की भावना बहुत स्पष्टता से प्रकट होती है। अखिलेश जी की रचनाएँ न केवल आज के समय की मुद्दों को छूने में सक्षम हैं, बल्कि उनका अनुसंधान भविष्य की दिशा में भी हमें प्रेरित करता है। उनका साहित्यिक सफर एक सुनहरा अनुसंधान क्षेत्र की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे समाज को सुधारने का नेतृत्व करता है।

निष्कर्ष

अखिलेश की सम्पूर्ण रचनाएँ साहित्य जगत में एक सुनहरा साहित्यिक सफर को प्रतिष्ठित करती हैं। उनका योगदान विविध रचना शैली, उदार दृष्टिकोण, और समाज के प्रति उनके साहित्यिक समर्पण से सजीव होता है।उनकी कविताएं और कहानियां आत्मा के आंतरिक अनुभूतियों को सुंदरता से छूने का प्रयास करती हैं। उनका शैली और भाषा सादगी और सुगमता के साथ साहित्य को प्रभावित करती हैं। उनकी कविताओं में अद्भुत छवियाँ बनती हैं जो मानव भावनाओं को निरूपित करती हैं और कहानियां जीवन की अद्वितीयता को प्रकट करती हैं।अखिलेश की सम्पूर्ण रचनाएँ समाज, साहित्य, और मानवता के प्रति उनके समर्पण का परिचायक हैं। उनके रचनात्मक योगदान ने साहित्य जगत में एक नया पहलुवार खोला है और उन्हें एक अद्वितीय स्थान पर पहुंचाया है।उनके सम्पूर्ण साहित्यिक सफर में, विभिन्न रूपों में रचनाएँ, स्वभावपूर्ण विचारधारा, और साहित्यिक उत्कृष्टता का संगम है। उनकी कहानियाँ और कविताएं साहित्य प्रेमियों को उत्कृष्टता की ऊंचाइयों पर ले जाती हैं और समाज में सुधार की ऊर्जा प्रदान करती हैं।अखिलेश की सम्पूर्ण रचनाएँ एक साहित्यिक दर्पण हैं जो समाज, साहित्य, और मानवता के मामूल्यों को सांगते हैं और उनके साहित्यिक सफर को सुनहरा बनाते हैं। उनकी रचनाएँ साहित्य के क्षेत्र में एक नए आयाम की दिशा में प्रेरित करती हैं और उन्हें एक अद्वितीय स्थान पर स्थापित करती हैं।